पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता – मॉड्यूल दो – उसने हमें भविष्यद्वक्ता दिए – भाग 2

विचार-विमर्श के प्रश्न

1. आपको इस अध्याय में क्या सबसे अच्छा लगा, या आपने क्या सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी? आपके मन में क्या प्रश्न थे?
2. भविष्यद्वक्ताओं ने छुटकारे के विषय में बात की और वे जानते थे कि परमेश्वर सदैव हर राष्ट्र से लोगों को छुड़ाना चाहता था। किस प्रकार यह शिक्षा मिशन के बारे में आपकी समझ को प्रभावित करती है?
3. मूसा के साथ वाचा किस प्रकार आज विश्वासियों को प्रभावित करनी चाहिए?
4. पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों को दी गई प्रतिज्ञाएँ किस प्रकार नए नियम में पूरी हुईं? किस प्रकार यह ज्ञान संपूर्ण पवित्रशास्त्र के आपके दृष्टिकोण को प्रभावित करना चाहिए?
5. वाचा के संबंध में उद्धार की तीन भिन्नताएँ किस प्रकार आज की कलीसिया के बारे में आपके ज्ञान को बढ़ाती हैं?
6. किस प्रकार आशीष और शाप के वाचायी उद्देश्य आज लोगों पर लागू होते हैं?
7. वाचाई सच्चाई और जिम्मेदारी के विषय में परमेश्वर लोगों को क्यों और कैसे परखता है?
8. व्यवस्थाविवरण 29:25-28 के अनुसार परमेश्वर के लोग उसके क्रोध को भड़का सकते हैं। किन रूपों में आधुनिक मसीही परमेश्वर को क्रोधित कर रहे होंगे?
9. मसीहियों को अपने पापों के प्रति परमेश्वर के धैर्य के कैसे भावनात्मक, बौद्धिक और व्यावहारिक प्रत्युत्तर देने चाहिए?
10. विश्वासयोग्य इस्राएली जानते थे कि परमेश्वर की आशीषें उसकी दया और क्षमा पर निर्भर थीं, न कि मानवीय योग्यता पर। किन रूपों में आधुनिक मसीही परमेश्वर की आशीषों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं? यह किस प्रकार परमेश्वर के साथ उनके संबंध को प्रभावित कर सकता है? परमेश्वर की दया और क्षमा पर निर्भर रहने के लिए वे कौनसे व्यावहारिक कदम उठा सकते हैं?
11. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है? क्यों?

**समीक्षा कथन :** पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं का प्राथमिक शीर्षक शब्द पुराने “भविष्यद्वक्ता” है। इसका अर्थ है वह व्यक्ति जो पहले से बताता या भविष्यवाणी करता है और वह व्यक्ति जो दावा या घोषणा करता है और जिसे ऐसा करने के लिए परमेश्वर द्वारा बुलाया गया है। वे “सेवक” भी कहलाए, जिसका अर्थ था कि वे बोलते समय स्वर्गीय सिंहासन का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने महान राजा के नाम से बात की। उन्हें “दर्शन देखनेवाले" भी कहा जाता था क्योंकि उन्हें स्वर्गीय स्थानों को देखने का विशेषाधिकार दिया गया था। उन्होंने न केवल परमेश्वर को बोलते हुए सुना, बल्कि कार्य होते हुए भी देखे। भविष्यद्वक्ता को “पहरुआ" भी कहा जाता था, क्योंकि वह आगामी विनाश या आशीष को देखा, ताकि लोगों के पास स्वयं को तैयार करने का अवसर हो। भविष्यद्वक्ता को “संदेशवाहक” भी कहा जाता था क्योंकि वह परमेश्वर से संदेश प्राप्त करता था और उन आवश्यक संदेशों को परमेश्वर के लोगों तक पहुँचाता था। भविष्यद्वक्ता को “परमेश्वर का जन" या “परमेश्वर की ओर से भेजा गया जन" भी कहा जाता था। इस प्रकार, वे परमेश्‍वर द्वारा चुने और भेजे गए थे और उन्हें परमेश्‍वर से विशेष सुरक्षा और अधिकार प्राप्त था।

**विषय का अध्ययन 1 : भविष्यद्वक्ताओं की धारणा** – जेम्स अपनी कलीसिया के युवा समूह द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे एक नाटक में भाग ले रहा था। वह पुराने नियम के एक भविष्यद्वक्ता की भूमिका निभा रहा था। उसने पूछा, “मुझे कैसे अभिनय करूँ?” “मैं सबसे अच्छे तरीके से कैसे बता सकता हूँ कि मैं एक भविष्यद्वक्ता हूँ?” नाटक के निर्देशक ने उससे कहा, “वे हमेशा अजीब प्रकार के लोग थे — एक अव्यवस्थित मानसिक रोगी की तरह अभिनय करो और शायद तुम इसे सही रीति से कर सको।” उसने ऐसा ही किया और सब लोग उनके प्रदर्शन पर हँसे।

**विषय का अध्ययन 2 :** भविष्यद्वक्ताओं की एक भूमिका को देखना — अमीलिया बाइबल अध्ययन का हिस्सा थी। उन्होंने अभी-अभी याकूब की पुस्तक का अध्ययन पूरा किया था, और अब वे मिलकर निर्णय ले रहे थे कि आगे क्या अध्ययन करना है। अमीलिया ने सुझाव दिया कि वे पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं का अध्ययन करें क्योंकि वह उनके बारे में अधिक नहीं जानती थी। उस समूह के अगुवे बिल ने उत्तर दिया, “भविष्यद्वक्ता भविष्य की बातों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और मुझे भविष्य के बारे में नवीनतम सिद्धांतों की जानकारी नहीं है। इसलिए मुझे लगता है कि हमें कुछ और अध्ययन करना चाहिए।”

मनन के प्रश्न

1. आप जेम्स और बिल द्वारा पुराने नियम की भविष्यवाणी के चित्रण का मूल्यांकन कैसे करेंगे?
2. आपके विचार से आपकी कलीसिया के लोग पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं और उनकी भविष्यवाणियों को कैसे देखते हैं?
3. आपने भविष्यद्वक्ता की भूमिका को किस प्रकार देखा है? उपरोक्त समीक्षा को देखे बिना, पुराने नियम में “भविष्यद्वक्ता” शब्द के अर्थ की विविधता को व्यक्त करें।
4. जब आप सभी भविष्यद्वक्ताओं के शीर्षकों को एक साथ रखते हैं, तो आप उनके प्रति कैसा महसूस करते हैं? आपके विचार से आपको उनके लेखनों का प्रत्युत्तर कैसे देना चाहिए?
5. अपने सीखनेवाले समुदाय के साथ इस पर विचार करें। क्योंकि आप मसीह के साथ एक हो गए हैं, इसलिए आप उसके भविष्यवाणिय कार्य में भी सहभागी हैं। यह बात सब विश्वासियों पर लागू होती है, तथा यह विशेष रूप से उन लोगों पर लागू होती है जिन्हें पासवानी सेवा के लिए बुलाया गया है।
6. आप अपनी सेवकाई को किन विशिष्ट रूपों में देखते हैं :
	1. एक भविष्यद्वक्ता के रूप में?
	2. एक सेवक के रूप में?
	3. एक पहरुए के रूप में?
	4. एक संदेशवाहक के रूप में?
	5. परमेश्वर के एक जन के रूप में?

दिए जानेवाले कार्य

* अपनी कलीसिया के दो आम लोगों का साक्षात्कार लें और उनसे पूछें कि उनकी समझ में एक भविष्यद्वक्ता क्या होता है। अपने शिक्षण समुदाय के साथ इसके परिणामों को साझा करें और चर्चा करें कि यह भविष्यद्वक्ताओं के बारे में कलीसिया की समझ को कैसे प्रभावित कर सकता है।
* अपने लोगों को भविष्यद्वक्ता की भूमिका समझाने के लिए अपनी कलीसिया में एक अध्ययन लें।